हिन्दुस्तान

# टूटी हड्डियों को जोड़ एम्स लौटा रहा घायलों की मुस्कान

**सुविधा**

- संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सक कर रहे फ्रैक्चर कूल्हों का इलाज
- एम्स ऋषिकेश में उपलब्ध है 'पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी' की सुविधा

**ऋषिकेश, संवाददाता।** किसी दुर्घटना में कूल्हे की हड्डियां टूट गई हों या फिर खिसक गई हों तो घबराइए मत। एम्स ऋषिकेश के विशेषज्ञ चिकित्सक न केवल कूल्हे के जोड़ों को जोड़कर रोगी का बेहतर इलाज कर रहे हैं बल्कि टूटी हुई हड्डियों को भी सही जगह फिक्स कर रहे हैं।

मेडिकल भाषा में 'पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी' के नाम से कही जाने वाली यह शल्य प्रक्रिया एम्स में नियमित तौर पर की जा रही है। खास बात यह है कि यह प्रक्रिया आयुष्मान योजना में कवर है और सरकारी खर्चे पर पूरी तरह निःशुल्क है। एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने बताया कि पेल्विस ऐसिटाबलम सर्जरी अत्यंत जटिल सर्जरी होती है। इस जटिल सर्जरी में ऑपरेशन के दौरान यूरीन ब्लैडर, इंस्टेस्टाइन, बड़ी रक्त वाहिकाओं और नसों का विशेष ध्यान रखना होता है। ट्रॉमा सर्जरी विभाग के हेड प्रोफेसर डा. कमर आजम ने बताया कि यह एक जटिल सर्जरी है और दुर्घटना के कारण टूटे कूल्हे का सही वक्त पर सटीक इलाज किया जाना बहुत जरूरी है। एम्स में इस सर्जरी की सविधा उपलब्ध है।

## क्या है पेल्विस और एसिटाबुलम सर्जरी?

पेल्विस (रीढ़ की हड्डी का निचला हिस्सा जो कूल्हे से जुड़ता है) और एसिटाबुलम कूल्हे के जोड़ (सॉकेट) सर्जरी के जटिल फ्रैक्चर को ठीक करने के लिए की जाने वाली यह एक प्रमुख ऑर्थोपेडिक प्रक्रिया है। आमतौर पर यह परेशानी भीषण दुर्घटनाओं के दौरान गंभीर चोट लगने या नीचे गिरने से होती है। इस सर्जरी में एमआरआई कम्पेटिबल धातु की प्लेटों और पेंचों का उपयोग करके कूल्हे की हड्डियों को स्थिर किया जाता है।

प्रो. मीनू सिंह, कार्यकारी निदेशक एम्स

**15** वर्षीय किशोर से लेकर 85 वर्षीय वृद्ध की सर्जरी की गई एम्स ऋषिकेश में

> ट्रामा सर्जरी और इरजेंसी सेवाओं को संस्थान द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उच्च अनुभवी डॉक्टरों की टीम की बदौलत हम ट्रामा केयर में अपनी उत्कृष्टता बनाए हुए हैं। एम्स ऋषिकेश के चिकित्सक गंभीर स्थितियों और जटिल ट्रामा मामलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। - प्रो. मीनू सिंह, कार्यकारी निदेशक एम्स ऋषिकेश

## नौ माह में की गई 69 सर्जरी

एम्स ऋषिकेश में ट्रामा सर्जन असिस्टेंट प्रो. डॉ. मान सिंह जारोलिया इस जटिल सर्जरी के विशेष हैं। डॉ. मान सिंह द्वारा जुलाई 2025 में एम्स ज्वॉइन करने के बाद 10 मई 2026 तक पेल्विस ऐसिटाबुलम की 69 सर्जरी की जा चुकी है। इसमें एक 15 वर्षीय युवक से लेकर अधिकतम 85 वर्ष की उम्र के एक वयोवृद्ध की सर्जरी शामिल है। इससे पहले डॉ. मान सिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इथियोपिया आफ्रीका, ऑस्ट्रिया और यूरोप देशों में इसका अनुभव हासिल कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए यह सेवा उच्च गुणवत्ता के इंप्लांट के साथ पूर्णत नि:शुल्क है।

नवोदय टाइम्स

**स्वास्थ्य** संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सक कर रहे फ्रैक्चर कूल्हों का इलाज ,एम्स ऋषिकेश में उपलब्ध है 'पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी' की सुविधा

# 'टूटी हड्डियों' को जोड़कर एम्स लौटा रहा घायलों की 'मुस्कान'

श्यामपुर,15 मई (नवोदय टाइम्स): किसी दुर्घटनावश कूल्हे की हड्डियाँ टूट गई हों या फिर खिसक गई हों तो घबराइये मत।

एम्स ऋषिकेश के विशेषज्ञ चिकित्सक न केवल कूल्हे के जोड़ों को जोड़कर रोगी का बेहतर इलाज कर रहे हैं अपितु टूटी हुई हड्डियों को सही जगह फिक्स कर कूल्हे की सामान्य संरचना को भी बहाल करने में दक्ष हैं। मेडिकल भाषा में 'पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी' के नाम से कही जाने वाली यह शल्य प्रक्रिया एम्स में नियमित तौर से की जा रही है। खास बात यह है कि यह प्रक्रिया आयुष्मान योजना में कवर है और सरकारी खर्चे पर पूरी तरह निःशुल्क है। पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी अत्यंत जटिल सर्जरी होती है। किसी सड़क दुर्घटना में अथवा बहुत अधिक उंचाई या पहाड़ी से नीचे गिर जाने की स्थिति में तीव्र आघात की वजह से कूल्हे की हड्डी टूट जाने पर यह सर्जरी की जाती है। ट्रॉमा के ऐसे मामलों में कभी-कभी हड्डी टूटने के साथ ही पेट की चोट, आंतों की चोट अथवा पेशाब की थैली में भी गहरी चोट लग जाती है।

*डॉ मानसिंह ट्रामा सर्जन*

इस वजह से घायल व्यक्ति न तो बैठ पाता है और न ही चल पाने में सक्षम होता है। इसके लक्षणों में दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति की कमर और कूल्हे के जोड़ों में असहनीय दर्द, पांव का नहीं चलना और बैठने व खड़े होने में परेशानी होना शामिल है। इस जटिल सर्जरी में ऑपरेशन के दौरान यूरीन ब्लैडर, इंस्टेस्टाइन, बड़ी रक्त वाहिकाओं और नसों का विशेष ध्यान रखना होता है। ट्रॉमा सर्जरी विभाग के हेड प्रोफेसर डॉ. कमर आजम ने बताया कि यह एक जटिल सर्जरी है और दुर्घटना के कारण क्षतिग्रस्त कूल्हे का सही वक्त पर सटीक इलाज किया जाना बहुत जरूरी है। कहा कि एम्स में इस सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है।

## क्या है पेल्विस और एसिटाबुलम सर्जरी?

पेल्विस (रीढ़ की हड्डी का निचला हिस्सा जो कूल्हे से जुड़ता है) और एसिटाबुलम कूल्हे के जोड़ (सॉकेट) सर्जरी के जटिल फ्रैक्चर को ठीक करने के लिए की जाने वाली यह एक प्रमुख ऑर्थोपेडिक प्रक्रिया है। आमतौर पर यह परेशानी भीषण दुर्घटनाओं के दौरान गंभीर चोट लगने या नीचे गिरने से होती है। इस सर्जरी में एम.आर.आई कम्पेटिबल धातु की प्लेटों और पेंचों का उपयोग करके कूल्हे की हड्डियों को स्थिर किया जाता है।

## 9 माह में की गयी 69 सर्जरी,

एम्स ऋषिकेश में ट्रॉमा सर्जन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मान सिंह जारोलिया इस जटिल सर्जरी के ज्ञाता हैं। डॉ. मान सिंह द्वारा जुलाई 2025 में एम्स ज्वॉइन करने के बाद 10 मई 2026 तक पेल्विस ऐसिटाबुलम की 69 सर्जरी की जा चुकी हैं। इसमें एक 15 वर्षीय युवक से लेकर अधिकतम 85 वर्ष की उम्र के एक वयोवृद्ध की सर्जरी शामिल है। इससे पहले डॉ. मान सिंह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इथियोपिया आफ्रीका, ऑस्ट्रिया और यूरोप देशों में इसका अनुभव हासिल कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए यह सेवा उच्च गुणवत्ता के इंप्लांट के साथ पूर्णत नि:शुल्क है।

''ट्रॉमा सर्जरी और इरजेन्सी सेवाओं को संस्थान द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उच्च अनुभवी डॉक्टरों की टीम की बदौलत हम ट्रॉमा केयर में अपनी उत्कृष्टता बनाए हुए हैं। खासतौर से ट्रॉमा सर्जरी के मामले में एम्स विश्व स्तरीय तकनीक का इस्तेमाल कर इलाज में बेहतर अनुभव और कौशलता का उपयोग कर रहा है। हमारे चिकित्सक गंभीर स्थितियों और जटिल ट्रॉमा मामलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं।''

-- प्रो. मीनू सिंह, कार्यकारी निदेशक एम्स ऋषिकेश।

**प्रधान टाइम्स**

# टूटी हड्डियों को जोड़कर एम्स लौटा रहा घायलों की मुस्कान

❍ संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सक कर रहे फ्रैक्चर कूल्हों का इलाज

❍ एम्स ऋषिकेश में उपलब्ध है 'पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी' की सुविधा

**राजेश शर्मा**

**ऋषिकेश।** किसी दुर्घटनावश कूल्हे की हड्डियाँ टूट गई हों या फिर खिसक गई हों तो घबराइये मत। एम्स ऋषिकेश के विशेषज्ञ चिकित्सक न केवल कूल्हे के जोड़ों को जोड़कर रोगी का बेहतर इलाज कर रहे हैं अपितु टूटी हुई हड्डियों को सही जगह फिक्स कर कूल्हे की सामान्य संरचना को भी बहाल करने में दक्ष हैं। मेडिकल भाषा में 'पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी' के नाम से कही जाने वाली यह शल्य प्रक्रिया एम्स में नियमित तौर से की जा रही है। खास बात यह है कि यह प्रक्रिया आयुष्मान योजना में कवर है और सरकारी खर्चे पर पूरी तरह नि:शुल्क है।

पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी अत्यंत जटिल सर्जरी होती है। किसी सड़क दुर्घटना में अथवा बहुत अधिक उंचाई या पहाड़ी से नीचे गिर जाने की स्थिति में तीव्र आघात की वजह से कूल्हे की हड्डी टूट जाने पर यह सर्जरी की जाती है। ट्रॉमा के ऐसे मामलों में कभी-कभी हड्डी टूटने के साथ ही पेट की चोट, आंतों की चोट अथवा पेशाब की थैली में भी गहरी चोट लग जाती है। इस वजह से घायल व्यक्ति न तो बैठ पाता है और न ही चल पाने में सक्षम होता है। इसके लक्षणों में दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति की कमर और कूल्हे के जोड़ों में असहनीय दर्द, पांव का नहीं चलना और बैठने व खड़े होने में परेशानी होना शामिल है। इस जटिल सर्जरी में ऑपरेशन के दौरान यूरीन ब्लैडर, इंस्टेस्टाइन, बड़ी रक्त वाहिकाओं और नसों का विशेष ध्यान रखना होता है। ट्रॉमा सर्जरी विभाग के हेड प्रोफेसर डॉ. कमर आजम ने बताया कि यह एक जटिल सर्जरी है और दुर्घटना के कारण क्षतिग्रस्त कूल्हे का सही वक्त पर सटीक इलाज किया जाना बहुत जरूरी है। कहा कि एम्स में इस सर्जरी की सुविधा उपलब्ध है।

ट्रॉमा सर्जरी और इरजेन्सी सेवाओं को संस्थान द्वारा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उच्च अनुभवी डॉक्टरों की टीम की बदौलत हम ट्रॉमा केयर में अपनी उत्कृष्टता बनाए हुए हैं। खासतौर से ट्रॉमा सर्जरी के मामले में एम्स विश्व स्तरीय तकनीक का इस्तेमाल कर इलाज में बेहतर अनुभव और कौशलता का उपयोग कर रहा है। हमारे चिकित्सक गंभीर स्थितियों और जटिल ट्रॉमा मामलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं।''

**– प्रो. मीनू सिंह, कार्यकारी निदेशक एम्स ऋषिकेश।**

## 9 माह में की गयी 69 सर्जरी,

एम्स ऋषिकेश में ट्रॉमा सर्जन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मान सिंह जारोलिया इस जटिल सर्जरी के ज्ञाता हैं। डॉ. मान सिंह द्वारा जुलाई 2025 में एम्स ज्वॉइन करने के बाद 10 मई 2026 तक पेल्विस ऐसिटाबुलम की 69 सर्जरी की जा चुकी हैं। इसमें एक 15 वर्षीय युवक से लेकर अधिकतम 85 वर्ष की उम्र के एक वयोवृद्ध की सर्जरी शामिल है। इससे पहले डॉ. मान सिंह अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर इथियोपिया अफ्रीका, ऑस्ट्रिया और यूरोप देशों में इसका अनुभव हासिल कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए यह सेवा उच्च गुणवत्ता के इंप्लांट के साथ पूर्णत नि:शुल्क है।

## क्या है पेल्विस और एसिटाबुलम सर्जरी ?

पेल्विस रीढ़ की हड्डी का निचला हिस्सा जो कूल्हे से जुड़ता है और एसिटाबुलम कूल्हे के जोड़ सॉकेट सर्जरी के जटिल फ्रैक्चर को ठीक करने के लिए की जाने वाली यह एक प्रमुख ऑर्थोपेडिक प्रक्रिया है। आमतौर पर यह परेशानी भीषण दुर्घटनाओं के दौरान गंभीर चोट लगने या नीचे गिरने से होती है। इस सर्जरी में एम.आर.आई कम्पेटिबल धातु की प्लेटों और पेंचों का उपयोग करके कूल्हे की हड्डियों को स्थिर किया जाता है।

**उत्तराखंड संस्करण**
**पंजाब केसरी**

# हड्डियों को जोड़कर एम्स लौटा रहा घायलों की 'मुस्कान'

**ऋषिकेश,** (पंजाब केसरी): किसी दुर्घटनावश कूल्हे की हड्डियाँ टूट गई हों या फिर खिसक गई हों तो घबराइये मत। एम्स ऋषिकेश के विशेषज्ञ चिकित्सक न केवल कूल्हे के जोड़ों को जोड़कर रोगी का बेहतर इलाज कर उनके चेहरे पर मुस्कान लौटा रहे हैं।

अपितु टूटी हुई हड्डियों को सही जगह फिक्स कर कूल्हे की सामान्य संरचना को भी बहाल करने में दक्ष हैं। मेडिकल की भाषा में 'पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी' के नाम से कही जाने वाली यह शल्य प्रक्रिया एम्स में नियमित तौर से की जा रही है। खास बात यह है कि यह प्रक्रिया आयुष्मान योजना में कवर है और सरकारी खर्चे पर पूरी तरह नि:शुल्क भी है। पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी अत्यंत जटिल सर्जरी होती है। किसी सड़क दुर्घटना में अथवा बहुत अधिक उंचाई या पहाड़ी से नीचे गिर जाने की स्थिति में तीव्र आघात की वजह से कूल्हे की हड्डी टूट जाने पर यह सर्जरी की जाती है। ट्रॉमा के ऐसे मामलों में कभी-कभी हड्डी टूटने के साथ ही पेट की चोट, आंतों की चोट अथवा पेशाब की थैली में भी गहरी चोट लग जाती है। इस वजह से घायल व्यक्ति न तो बैठ पाता है और न ही चल पाने में सक्षम होता है। इसके लक्षणों में दुर्घटना ग्रस्त व्यक्ति की कमर और कूल्हे के जोड़ों में असहनीय दर्द, पांव का नहीं चलना और बैठने व खड़े होने में परेशानी होना शामिल है। इस जटिल सर्जरी में ऑपरेशन के दौरान यूरीन ब्लैडर, इंस्टेस्टाइन, बड़ी रक्त वाहिकाओं और नसों का विशेष ध्यान रखना होता है।

स्वतंत्र चेतना

# एम्स में जटिल कूल्हा सर्जरी से मरीजों को मिल रही नई जिंदगी, 9 माह में 69 सफल सर्जरी, आयुष्मान योजना में निःशुल्क उपचार

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में पेल्विस एवं ऐसिटाबुलम सर्जरी के माध्यम से गंभीर दुर्घटनाओं में घायल मरीजों को राहत मिल रही है। संस्थान के विशेषज्ञ चिकित्सक टूटी और खिसकी हुई कूल्हे की हड्डियों का सफल उपचार कर मरीजों की सामान्य शारीरिक संरचना बहाल कर रहे हैं। ट्रॉमा सर्जरी विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. कमर आजम ने बताया कि सड़क दुर्घटना अथवा ऊंचाई से गिरने के कारण कूल्हे की हड्डियों में गंभीर चोट आने पर यह जटिल सर्जरी की जाती है। इस दौरान यूरीन ब्लैडर, आंतों, नसों और बड़ी रक्त वाहिकाओं का विशेष ध्यान रखना पड़ता है। संस्थान के ट्रॉमा सर्जन असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मान सिंह जारोलिया द्वारा जुलाई 2025 से अब तक 69 पेल्विस ऐसिटाबुलम सर्जरी सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं। इनमें 15 वर्षीय किशोर से लेकर 85 वर्षीय बुजुर्ग तक के मरीज शामिल हैं। डॉ. जारोलिया अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अफ्रीका और यूरोप में भी इस जटिल सर्जरी का अनुभव हासिल कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए यह सुविधा उच्च गुणवत्ता वाले इंप्लांट के साथ पूरी तरह नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि संस्थान में ट्रॉमा सर्जरी और इमरजेंसी सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अनुभवी चिकित्सकों की टीम और विश्वस्तरीय तकनीकों की मदद से एम्स गंभीर ट्रॉमा मामलों का सफल उपचार कर रहा है तथा मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

**प्रथम मंच, नोएडा**
**गाजियाबाद संस्करण**

# टूटी हड्डियों को जोड़कर मुस्कान लौटा रहा एम्स ऋषिकेश

## पेल्विस-ऐसिटाबुलम सर्जरी से गंभीर घायलों को मिल रहा नया जीवन, आयुष्मान योजना में निःशुल्क सुविधा उपलब्ध

दैनिक प्रथम मंच। धीर सिंह

**ऋषिकेश /उत्तराखंड।** सड़क दुर्घटनाओं या ऊंचाई से गिरने के कारण कूल्हे की हड्डियों में गंभीर चोट झेलने वाले मरीजों के लिए एम्स ऋषिकेश उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है। संस्थान में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आधुनिक तकनीक से ट्रॉमा पेल्विस-ऐसिटाबुलम सर्जरी की जा रही है, जिससे टूटे और खिसके हुए कूल्हों की हड्डियों को दोबारा सामान्य स्थिति में लाया जा रहा है। खास बात यह है कि यह जटिल सर्जरी आयुष्मान योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है।

एम्स ऋषिकेश के ट्रॉमा सर्जरी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. कमर आजम ने बताया कि पेल्विस-ऐसिटाबुलम सर्जरी बेहद जटिल प्रक्रिया मानी जाती है। सड़क हादसों या पहाड़ी क्षेत्रों में गिरने से कूल्हे की हड्डी टूटने की स्थिति में यह सर्जरी की जाती है। कई मामलों में मरीजों को पेट, आंतों और मूत्राशय में भी गंभीर चोटें आती हैं, जिससे स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो जाती है।

उन्होंने बताया कि ऐसे मरीजों को असहनीय दर्द, चलने-फिरने और बैठने में कठिनाई जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऑपरेशन के दौरान बड़ी रक्त वाहिकाओं, नसों और आंतरिक अंगों का विशेष ध्यान रखा जाता है।

**क्या है पेल्विस-ऐसिटाबुलम सर्जरी?**

पेल्विस रीढ़ की हड्डी का निचला हिस्सा होता है, जो कूल्हों से जुड़ा रहता है। दुर्घटना या गिरने के कारण जब इस हिस्से या कूल्हे के सॉकेट में फ्रैक्चर हो जाता है, तब इस सर्जरी के माध्यम से विशेष धातु प्लेट और स्क्रू लगाकर हड्डियों को स्थिर किया जाता है।

**9 महीनों में 69 सफल सर्जरी**

एम्स ऋषिकेश में ट्रॉमा सर्जन एवं असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मान सिंह जारोलिया इस जटिल सर्जरी में विशेषज्ञता रखते हैं। जुलाई 2025 से लेकर 10 मई 2026 तक उनके नेतृत्व में 69 सफल सर्जरी की जा चुकी हैं। इनमें 15 वर्षीय किशोर से लेकर 85 वर्षीय बुजुर्ग तक के मरीज शामिल हैं।

डॉ. मान सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इथियोपिया, अफ्रीका और अन्य यूरोपीय देशों में भी इस सर्जरी का अनुभव प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड धारकों को उच्च गुणवत्ता वाले इम्प्लांट के साथ यह सुविधा पूरी तरह मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही है।

**ट्रॉमा केयर में उत्कृष्टता की ओर एम्स**

एम्स ऋषिकेश की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि संस्थान ट्रॉमा सर्जरी और इमरजेंसी सेवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है। अनुभवी चिकित्सकों की टीम और विश्वस्तरीय तकनीक के माध्यम से जटिल ट्रॉमा मामलों का सफल इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एम्स गंभीर दुर्घटना पीड़ितों को बेहतर उपचार और नई जिंदगी देने के लिए प्रतिबद्ध है।